मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी

मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी॥
ईक मंगीये लख फड़ानंदी ए॥
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी॥
लखा नु दे के भूल जांदी ए॥
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी॥

इस दे दर ते अगो कदे वी लंघ के वेखो॥
बाहरो ही दरवजे तो कुज वी मंग के वेखो॥
माँ दौड़ी- दौड़ी आउंदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,
लखा नु दे के भूल जांदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,

ईक वारी ए कह के देखो किरपा कर दे ॥
अम्बे रानी मेरी खाली झोली भर दे॥
सब कुछ बच्चेया ते लुटान्दी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,
लखा नु दे के भूल जांदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,

इसदी झोली विच खुशियां संसार दीयां॥
आओ लूटिए मौजा माँ दे प्यार दीयां॥
सौ हथा नाल लुटान्दी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,
लखा नु दे के भूल जांदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,

छोटा वड्डा उसदी निगाह विच कोई नही॥
चंगा मंदा उसदी निगाह विच कोई नही॥
माँ सबनु कोल बिठान्दी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,
लखा नु दे के भूल जांदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,

चंचल वरगे कई पापी उस तारे ने ॥
फड़ फड़ बाहों माँ ने पार उतारे ने ॥
सबना नु चरणी लांदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी,
लखा नु दे के भूल जांदी ए,
मेरी माँ नु गिनती नही आउंदी.

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1810/title/meri-maa-nu-ginati-nhi-aundi-iko-mango-lakh-fadandi-e

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |